युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
सितम्बर 2011 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

सितम्बर मास का चार्ट:

लक्ष्य – मास्टर ऑलमाईटी ओथॉरिटी बन सर्व खज़ानों के मालिक बनना।

मास्टर ऑलमाईटी ओथॉरिटी का स्वमान हम बच्चों को सारे कल्प में केवल संगम पर ही प्राप्त होता है, जब हम डायरेक्ट भगवान के बच्चे बनते हैं। बच्चा बाप के खज़ाने का जन्मते ही मालिक होता है। क्या हम इस स्मृति के आधार पर संगमयुग के सर्व खज़ानों के मालिक बनें हैं? अगर नहीं तो अभी भी समय समाप्त नहीं हुआ है, जो थोडा सा समय शेष बचा है उसमें हम बन जायें। अगर अभी नहीं बनेंगे तो कब बनेंगे? अब नहीं तो कब नहीं।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण के अमूल्य खज़ाने
पहला	ज्ञान का खज़ाना
दूसरा	अष्ट शक्तियों का खज़ाना
तीसरा	दैवी गुणों का खज़ाना
चौथा	सर्व श्रेष्ठ समय का खज़ाना

1. ज्ञान का खज़ाना: संगम पर हमें आप, बाप और ड्रामा का ज्ञान स्वयं भगवान से प्राप्त हुआ है। क्या इस ज्ञान के खज़ाने को जीवन में धारण कर व्यर्थ संकल्पों से मुक्ति मिली है? आत्म विश्वास बढ़ा है? स्थिति अचल अडोल बनी है। कितने % में ऐसी स्थिति बनी है, यह लिखना है।
2. अष्ट शक्तियों का खज़ाना: सर्व शक्तिवान की हम सन्तान हैं। जो हर हंमेश हज़ूर की श्रीमत पर हाँ जी करने वाले हैं उनके सामने स्वयं हज़ूर भी सर्व शक्तियों सहित जी हाज़िर करता है। एक भी शक्ति की कमी हमें समय पर हार खिला सकती है। क्या सर्व शक्तियां हमारे ऑर्डर पर हाज़िर होती है? कितने % में हम शक्तियों के आधार पर परिस्थितियों में सफल हुए, यह लिखना है।
3. दैवी गुणों का खज़ाना: बाबा सर्व गुणों के सागर है। हम बच्चों को सर्व गुण वर्से में प्राप्त हुए हैं। क्या हम बाप समान गुणों में मास्टर बने है? क्या हमारे गुणों को देखकर गुण दाता बाबा प्रत्यक्ष होते है? कितने % हमने गुणों को धारण कर गुण दान किया यह लिखना है।
4. सर्व श्रेष्ठ समय का खज़ाना: संगम का सुहावना समय सारे कल्प में सर्व श्रेष्ठ समय है जिसका एक सेकण्ड एक साल के बरोबर माना जाता है। एक सेकण्ड हम व्यर्थ नहीं गवाँ रहे हैं लेकिन एक साल गवाँ रहे है। संगम के एक सेकण्ड में पदमों कि कमाई होती है। सारे कल्प की प्राप्ति का आधार यही समय है। कितने % हमने समय के खज़ाने को सफल किया, यह लिखना है।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1.अमृतवेला -4.00 से 4.45, बाबा के कमरे में | 2.मुरली क्लास - क्लास में सुनी | 3.ट्रैफिक कन्ट्रोल - 5

4.स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी | 5.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी | 6.नुमाशाम का योग - हाँ जी

7. खज़ाने - 60 % | 8.गुड नाइट - 10.00

❖ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह ज़रूर लिखें।

❖ स्वमान:

दिनांक: 1 से 8 का स्वमान – मैं आत्मा मास्टर ज्ञान सागर हूँ।

9 से 16 का स्वमान – मैं आत्मा मास्टर सर्व शक्तिवान हूँ।

17 से 24 का स्वमान - मैं आत्मा सर्व गुण सम्पन्न हूँ।

25 से 31 का स्वमान - मैं आत्मा समय का मालिक हूँ।

स्वमान का अभ्यास करके अपने आपको निम्नलिखित प्रश्न पूछना है और अनुभव लिखना है :

1. क्या स्वमान के अभ्यास से मुझ में शक्ति का अनुभव हुआ?
2. स्वमान के अभ्यास से विशेष अनुभूति कौन सी हुई?
3. क्या स्वमान के अभ्यास में कोई विघ्न या तकलिफ का अनुभव हुआ?
4. हर रोज़ अलग अलग स्वमान का अभ्यास करना अच्छा लगता है या पूरे सप्ताह में एक स्वमान पर ही अभ्यास करना अच्छा लगा?

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में यह पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है।

नाम:________सेन्टर का नाम:_______DiDar No:_

अमृतवेला-75% | **ट्रैफिक कन्ट्रोल-75%**

मुरली क्लास-90% | **नुमाशाम का योग-60%**

स्वमान की स्मृति-55% | **अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%**

खज़ाने -60% | **गुड नाइट-95%**

चार्ट: OK या ~~OK~~ **टीचर के हस्ताक्षर**

मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ? हाँ या ना

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com
Website: www.bkyouth.org